सारी एलर्जी का एक इलाज

एक सफल परीक्षण के बाद हम युनिवर्सल एलर्जी थेरपी अर्थात समस्त एलर्जी के इलाज के एक कदम नज़दीक पहुंचे हैं। ये परीक्षण उन लोगों पर किए गए हैं, जिन्हें धूल के कीटाणुओं और बिल्लियों के बालों से एलर्जी थी।

इस नए उपचार के तहत एक पदार्थ की खुराक देकर कई तरह की एलर्जी का उपचार किया जा सकता है क्योंकि यह प्रत्येक एलर्जी के लिए विशिष्ट पदार्थ देने पर निर्भर नहीं है।

यह उपचार इस बात पर निर्भर है कि व्यक्ति के अत्यधिक सक्रिय प्रतिरक्षा तंत्र को किसी तरह विमुख कर दिया जाए। दरअसल एलर्जी इस वजह से होती है कि हमारा प्रतिरक्षा तंत्र अत्यधिक सक्रिय हो जाता है। इस उपचार में रोगी को एक ऐसा नकली अणु दिया जाता है कि शरीर को लगता है कि बैक्टीरिया का हमला हो रहा है। शरीर उस बैक्टीरिया के हमले में उलझ जाता है और एलर्जीकारी पदार्थ के प्रति प्रतिक्रिया देना बंद कर देता है।

यह शोध कार्य स्विटज़रलैंड स्थित सॉइटोज़ बॉयोटेक्नालॉजी के क्लॉडीन ब्लेसर के नेतृत्व में किया गया है। उनका कहना है कि यह उपचार किसी एलर्जीकारी पदार्थ की विशिष्ट प्रकृति से स्वतंत्र है।

गत जुलाई में इस कंपनी ने घोषणा की कि उसने धूल व बिल्ली से एलर्जिक80 वॉलंटियर्स को एक पदार्थ CYT003-Qb G10 की 6 खुराक दी थी। इससे उनके एलर्जिक लक्षणों में 61 प्रतिशत की कमी आई। यह उन लोगों से दुगनी राहत थी जिन्हें प्लेसिबो दिया गया था। प्लेसिबो का अर्थ है कि दवाई न देकर मात्र दवा देने का नाटक करना ताकि यह पता चल सके कि असर दवाई का ही हो रहा है या नहीं।

इसी के साथ दूसरा ट्रायल जिसमें 93 रोगियों, जिन्हें धूल के कीटाणुओं से एलर्जी थी, को उपरोक्त पदार्थ और साथ में धूल के कीटाणुओं की एलर्जी की दवा दी गई। इनके लक्षणों में मात्र 54 प्रतिशत की कमी हुई। इससे पता चलता है कि वह अकेला पदार्थ बेहतर काम करता है। इस तरह की मोनोथेरपी से केवल 20 वॉलंटियर्स को सिरदर्द जैसे साइड इफेक्ट हुए। इसके विपरीत मिला-जुला उपचार देने पर 10 गुना ज़्यादा लोगों को साइड इफेक्ट हुए।

अब विचार यह है कि कई सारी एलर्जी के एक उपचार को आज़माया जाए। सॉइटोज़ कंपनी मोनोथेरपी को 300 लोगों पर आज़मा रही है।

साउथ केरोलिना के ग्रीनविले में एलर्जी चिकित्सक नील कायो का कहना है कि संभवतः सॉइटोज़ कंपनी ने एलर्जी के लिए रामबाण खोज लिया है मगर इसके दूरगामी असर और सुरक्षा को लेकर काफी प्रयोग व परीक्षण करना ज़रूरी है । ***(स्रोत फीचर्स)***